ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 22-08-2025

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-08-22 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-08-23	2025-08-24	2025-08-25	2025-08-26	2025-08-27
वर्षा (मिमी)	8.0	6.0	15.0	20.0	12.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	33.0	32.0	32.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	24.0	24.0	23.0	23.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	82	90	90	84
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	61	62	62	65	62
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	9	11	9	8
पवन दिशा (डिग्री)	110	120	140	150	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	5	6	7	6
चेतावनी	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सप्ताह (15 से 21 अगस्त) क्षेत्र में 34.0 मिमी वर्षा हुई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 27.2 से 34.5oC और 25.0 से 26.8oC के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 83-89% और 59-89% के बीच रही, जबकि हवा उत्तर, पूर्व-उत्तर-पूर्व, पूर्व-दक्षिण-पूर्व, पूर्व और दक्षिण-पूर्व से 1.2-5.2 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। पिछले सप्ताह अधिकांश दिन आसमान साफ रहा। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 6-20 मिमी हल्की वर्षा हो सकती है और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.0-35.0oC और 23.0-24.0oC रहने की उम्मीद है। हवा पूर्व-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पूर्व-पूर्व, दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पूर्व-दक्षिण दिशा से 8-11 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की उम्मीद है। 22 से 25 अगस्त तक भारी वर्षा, आंधी, बिजली, तीव्र वर्षा की घटना के संबंध में पीली चेतावनी जारी की गई है, जबकि 26 अगस्त के लिए आंधी, बिजली, तीव्र वर्षा के बिना भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारी वर्षा के साथ आंधी/बिजली/तीव्र वर्षा के संबंध में पीली चेतावनी जारी की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

जलभराव, मूंग और उड़द की फसल में अंकुरण और पौध वृद्धि प्रभावित होगी। उचित जल निकासी की व्यवस्था करें, पौध खराब होने की स्थिति में दोबारा बुवाई करें।

सामान्य सलाहकार:

किसान और अन्य संबंधित समुदाय नियमित मौसम संबंधी जानकारी और वर्षा अलर्ट के लिए "मौसम" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे अन्य ऐप भी नियमित मौसम संबंधी और बिजली संबंधी आंकड़ों के अपडेट के लिए उपलब्ध हैं। सभी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान 22.08.2025 से 28.08.2025 के दौरान सामान्य वर्षा, अधिकतम और न्यूनतम तापमान का रुझान दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार भारी वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए जल निकासी के उचित उपाय किए जाने चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की फसल में जीवाणु झुलसा रोग के लक्षण दिखाई देते हैं जैसे पत्तियों पर पानी से भरे धब्बे और उनका धीरे-धीरे बढ़कर लंबी धारियाँ बन जाना। ये धारियाँ धीरे-धीरे हल्के भूरे रंग की हो जाती हैं। इस रोग को खेत में फैलने से रोकने के लिए खेत में जलभराव की स्थिति न रहने दें। इसके साथ ही, नाइट्रोजन का प्रयोग फिलहाल बंद कर देना चाहिए और रोग के अत्यधिक प्रकोप की स्थिति में, साफ मौसम में 15 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन + 500 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड को 1000 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए। सभी कृषि कार्य साफ मौसम में ही करें और भारी वर्षा की स्थिति में खेत में जल निकासी के उपाय करें।
मक्का	सिंचाई से बचना चाहिए और झुलसा रोग और फॉल आर्मी वर्म जैसे कीटों से बचाव के लिए रासायनिक छिड़काव आवश्यक है, लेकिन यह केवल साफ़ मौसम में ही किया जाना चाहिए। भारी वर्षा की स्थिति में उचित जल निकासी सुनिश्चित की जानी चाहिए।
काला चना	पिछले महीने बोई गई फसल की खेती करते समय, नई बोई गई फसलों में उचित जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें। यदि पौधे खराब हो जाएँ, तो दोबारा बुवाई करें।
मूँग	पिछले महीने बोई गई फसल की खेती करते समय, नई बोई गई फसलों में उचित जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें। यदि पौधे खराब हो जाएँ, तो दोबारा बुवाई करें।
मूँगफली	मूंगफली में, बुवाई के 15-20 दिन बाद निराई-गुड़ाई करनी चाहिए और खरपतवारों को रासायनिक रूप से नष्ट करना चाहिए। कोई भी रासायनिक प्रयोग या छिड़काव साफ़ मौसम में ही करना चाहिए। खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।
गन्ना	आवश्यकतानुसार फसल की दूसरी बार बाँधाई करें और यह पहली बाँधाई से 50 सेमी ऊपर होनी चाहिए। दो पंक्तियों के तीन डंठलों को आपस में बाँधना चाहिए (कैंची बाँधना)। सफेद ग्रब के प्रकोप की स्थिति में फिप्रोनिल 40 प्रतिशत और इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्ल्यूजी 200 ग्राम प्रति एकड़ को 500 लीटर पानी में घोलकर खेत में डालें। जलभराव की स्थिति में, उचित जल निकासी की व्यवस्था करें और सभी कृषि कार्य, विशेष रूप से रासायनिक प्रयोग, साफ़ मौसम में करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	खेत में उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें और भारी वर्षा की स्थिति में किसी भी प्रकार के रसायन का प्रयोग देर से करें। फूलगोभी की मध्य-मौसम किस्मों की रोपाई की जा सकती है और अगेती किस्मों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। सभी कृषि गतिविधियाँ मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
कद्दू	पकी हुई कद्दूवर्गीय फसल को सुरक्षित स्थान पर भण्डारित करना चाहिए तथा खड़ी फसल में अनियमित आकार के पीले धब्बे दिखाई देने पर पत्तियों को पलटकर जांच करनी चाहिए तथा यदि पत्तियों के निचले भाग में हल्के भूरे रंग का कवक उगता है तो उसे 2.5 ग्राम/लीटर की दर से मैन्कोजेब

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	के घोल का छिड़काव करके नियंत्रित करना चाहिए। भारी वर्षा की स्थिति में रसायन का छिड़काव नहीं करना चाहिए तथा खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था करनी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	जलजनित रोगों से बचाव के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जाँच करानी चाहिए। इससे बचने के लिए, संग्रहित पानी में 1:1000 के अनुपात में लाल दवा जैसी जीवाणुरोधी दवाएँ मिलाएँ। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। 'फुटरोट' रोग से बचाव के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन के घोल या 5% नीले रंग के घोल में डुबोकर रखना चाहिए। गल-घोटू रोग से पशुओं को बचाने के लिए, उन्हें साफ़-सुथरी जगह पर बाँधें। जब पशुओं में गल-घोटू रोग के लक्षण दिखाई दें, तो पशु चिकित्सक की सलाह से तीन दिनों तक पशुओं की नसों में सुफोनामाइड्स जैसे सल्फामेथाज़िन या सल्फाडिमिडीन 150 मि.ग्रा. प्रति किग्रा. का इंजेक्शन लगाएँ।
गाय	जलजनित रोगों से बचाव के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जाँच करानी चाहिए। इससे बचने के लिए, संग्रहित पानी में 1:1000 के अनुपात में लाल दवा जैसी जीवाणुरोधी दवाएँ मिलाएँ। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। 'फुटरोट' रोग से बचाव के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन के घोल या 5% नीले रंग के घोल में डुबोकर रखना चाहिए। गल-घोटू रोग से पशुओं को बचाने के लिए, उन्हें साफ़-सुथरी जगह पर बाँधें। जब पशुओं में गल-घोटू रोग के लक्षण दिखाई दें, तो पशु चिकित्सक की सलाह से तीन दिनों तक पशुओं की नसों में सुफोनामाइड्स जैसे सल्फामेथाज़िन या सल्फाडिमिडीन 150 मि.ग्रा. प्रति किग्रा. का इंजेक्शन लगाएँ।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

जलभराव, काले चने और हरे चने की अंकुरित और ताजा पौध का खराब होना।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए तथा ताजा पौधों के खराब होने की स्थिति में पुनः बुवाई की जानी चाहिए।

Farmers are advised to download Unified ﷺMausamﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details